VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 29 AUG 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1830)

Name of Candidate	Vikash Senthiya		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	398329
Center	MN	Date	29 August 2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
4(c)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** According to you, what are the main reasons behind prejudice against certain sections of a society? Discuss with examples. **(150 words) 10**

आपके अनुसार समाज के कुछ वर्गों के प्रति पूर्वाग्रह के पीछे मुख्य कारण क्या हैं? उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

पूर्वाग्रह से आशय उन धारणाओं से है जो किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा घटना के बारे में बना ली जाती है, चले ही वे सत्य न हों। पूर्वाग्रह को प्राय: नकारात्मक अर्थों में समझा जाता है।

जैसे - महिलाओं के बारे में पूर्वाग्रह कि वे प्राय: अतार्किक होती हैं - इसका कोई प्रमाण नहीं है और असत्य भी है।

पूर्वाग्रह के प्रमुख कारण

① पूर्वाग्रह बनने का एक कारण व्यक्ति को मिले मूल्यों में छिपा होता है।
जैसे - पितृसत्तावादी परिवार में पला व्यक्ति प्राय: ~~मूल्यों~~ महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रही होता है।

② सांस्कृतिक कारक - किसी संस्कृति में ऐसे कारक होते हैं जैसे - स्वजातिकेन्द्रवाद पर आधारित संस्कृति में स्वयं को श्रेष्ठ व अन्य को हीन मानना, उदाहरण - हिटलर का ~~खेत~~ शुद्ध रक्त का सिद्धांत।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कुछ उदाहरणों के सार्वभौमीकरण द्वारा पूर्वाग्रहों का विकास - एक व्यक्ति के कार्य के आधार पर सम्पूर्ण वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह बनाना।

④ निजी अनुभव के आधार पर - किसी के द्वारा खराब व्यवहार के आधार पर सम्पूर्ण वर्ग के पूर्वाग्रह
जैसे - किसी श्वेत के प्रति अश्वेत व्यक्ति द्वारा अनुचित व्यवहार - सम्पूर्ण अश्वेतों के पूर्वाग्रह

⑤ पूर्वाग्रह निर्माण में मिलने वाली सूचनाओं की भी भूमिका - नकारात्मक सूचना अधिक
↳ नकारात्मक पूर्वाग्रह

⑥ आवश्यकता पूर्ति - अगर पूर्वाग्रह रखने से किसी की आवश्यकता पूर्ति होती है तो वह ऐसे पूर्वाग्रह बना लेता है जैसे जाति व्यवस्था को मानने पर समाज में सम्मान मिलना।

पूर्वाग्रह वंचित व्यक्तियों के शोषण को बढ़ाते हैं। अतः पर्याप्त व तार्किक सूचनाओं को प्रदान कर पूर्वाग्रहों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Discuss how persuasion acts as a functional pillar in attitudinal change and attitude formation with requisite examples. **(150 words) 10**

उचित उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए कि अनुनय (या समझाना-बुझाना) किस प्रकार अभिवृत्ति में बदलाव और अभिवृत्ति के निर्माण में एक व्यावहारिक स्तंभ के रूप में कार्य करता है।

अनुनय किसी की अभिवृत्ति में परिवर्तन के लिए सप्रयास संप्रेषण या अभिव्यक्ति को कहते हैं।

जैसे - सांप्रदायिक व्यक्ति को धर्म-निरपेक्ष बनाने के लिए उनका पर्युत्थान करना

अनुनयन - दो प्रकार से

- प्रारंभिक दृष्टिकोण
  - कौन (who)
  - विषय वस्तु (what)
  - किसका अनुनयन (whom)
  - किस माध्यम से (how)
- संज्ञानात्मक दृष्टिकोण
  - Systematic Processing
  - Heuristic Processing

अर्थात् अनुनयन की प्रक्रिया क्या है?

अभिवृत्ति निर्माण एवं बदलाव में अनुनयन की भूमिका -

① अनुनयन कर्ता नई सूचनाओं को प्रदान कर उसकी अभिवृत्ति में बदलने का प्रयास

जैसे - महिलाओं के बारे में अनेक नवीन सूचनाएँ - महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② एक प्रभावी अनुनयन कर्त्ता पर लोगों का विश्वास बढ़ता है जिससे अभिवृत्ति में परिवर्तन

जैसे - टूथपेस्ट के विज्ञापन को डॉक्टर द्वारा कराया जाना।

③ अनुनयन कर्ता, व्यक्ति की भावनाओं को उत्तेजित कर डर बढ़ाता है और समाधान के रूप में नई अभिवृत्ति का विकास।

जैसे - वैक्सीन हेजिटेन्सी → अनुनयन कर्ता → रोग के दुष्परिणाम द्वारा डर → वैक्सीन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण (समाधान)

④ स्वच्छ भारत अभियान की आंशिक सफलता का श्रेय अनुनयन को ही जाता है।

हालाँकि अनुनयन की प्रक्रिया में पूर्व चेतावनी, वैक्सीन इनोक्यूलेशन, अधिक उम्र, तीव्र अभिवृत्ति आदि बाधक होते हैं। इसके लिए अनुनयन कर्ता को विश्वसनीय व कुशल होना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** A legally enforceable code of ethics for civil servants, which not only prescribes the ethical values they must display in their public life but also provides sanctions for violations of these values, is the need of the hour. Discuss. **(150 words) 10**

लोक सेवकों के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य एक नीतिपरक आचार संहिता, जो न केवल उनके सार्वजनिक जीवन में प्रदर्शित होने वाले नैतिक मूल्यों को निर्धारित करती हो, बल्कि उन मूल्यों के उल्लंघन के लिए दण्ड भी निर्धारित करती हो, वर्तमान समय की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

नीतिपरक आचार संहिता उन मूल्यों का समुच्चय होती है जो किसी संगठन के कर्मचारियों के व्यवहार में अपेक्षित होता है।

वर्तमान में लोक सेवकों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट, 1964 का निर्माण तो किया गया है किन्तु कोड ऑफ इथिक्स अभी निर्मित नहीं हुई है।

कोड ऑफ इथिक्स का महत्त्व

① यह सिविल सेवकों के लिए नैतिक आदर्शों का निर्धारण करती है।

② इसमें सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे मूल्य सिविल सेवकों को भ्रष्टाचार से दूर रहने का उपाय करते हैं।

③ क्लाइंटस के प्रति लोक सेवकों के व्यवहार को निर्देशित करती है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जिससे लोक सेवकों में संवेदनशीलता तथा दक्षता का विकास होता है।

④ सिविल सेवकों को उत्तरदायित्व व पारदर्शिता जैसे मूल्यों को सिखाती है।

~~कोड~~ कॉड इथिक्स में मूल्य अमूर्त होते हैं, उनको मूर्त बनाने के लिए कोड कॉड कंडक्ट का निर्माण किया जाता है। COE में अनुपालन न करने पर आत्मग्लानि होती है, जबकि COC के अनुपालन में चूक दण्ड को सुनिश्चित करती है।

इस प्रकार प्रत्येक संगठन में COE व COC लोक सेवकों के आचरण को निर्देशित कर कल्याणकारी उद्देश्यों की पूर्ति में उन्हें सक्षम बनाती हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) Although open and transparent governance has gained ground, do you agree with the view that there is merit in withholding some information from people? Justify your arguments with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, खुले और पारदर्शी शासन ने लोकप्रियता हासिल कर ली है, फिर भी क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि लोगों से कुछ जानकारी छिपाने में ही भलाई है? उदाहरणों के साथ अपने तर्कों की पुष्टि कीजिए।

ट्रांसपेरेंसी इन्टरनेशनल के अनुसार पारदर्शिता नियमों, प्रक्रियाओं, क्रियाओं आदि पर प्रकाश डालने की स्थिति है। यह क्यों, कैसे, कहाँ, कितना व क्या को जानने की स्थिति है।

वर्तमान में पारदर्शिता सुशासन का महत्वपूर्ण आधार है और जन-जागरूकता बढ़ने से इसकी भूमिका बढ़ गई है।

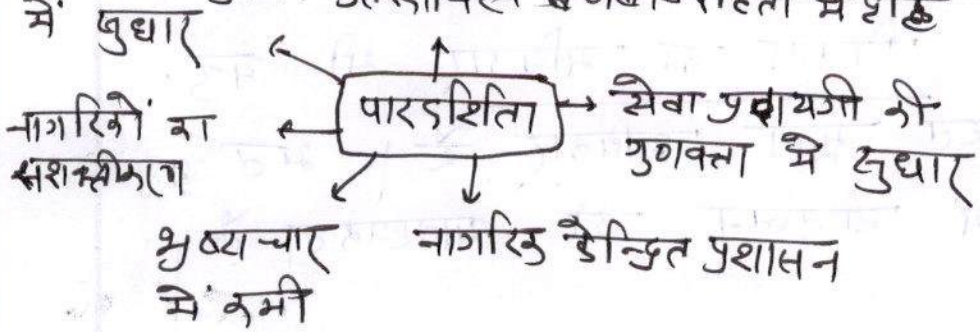

सरकार द्वारा पारदर्शिता के लिए किए गए प्रयास
- सूचना का अधिकार (RTI)
- e-गवर्नेंस
- सिटिजन चार्टर
- प्रशासनिक शिकायत निवारण तंत्र

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सूचना के अधिकार अधिनियम में उन ऐसे प्रावधान हैं जिनके बारे में सूचना छिपाने में भलाई है। जैसे —

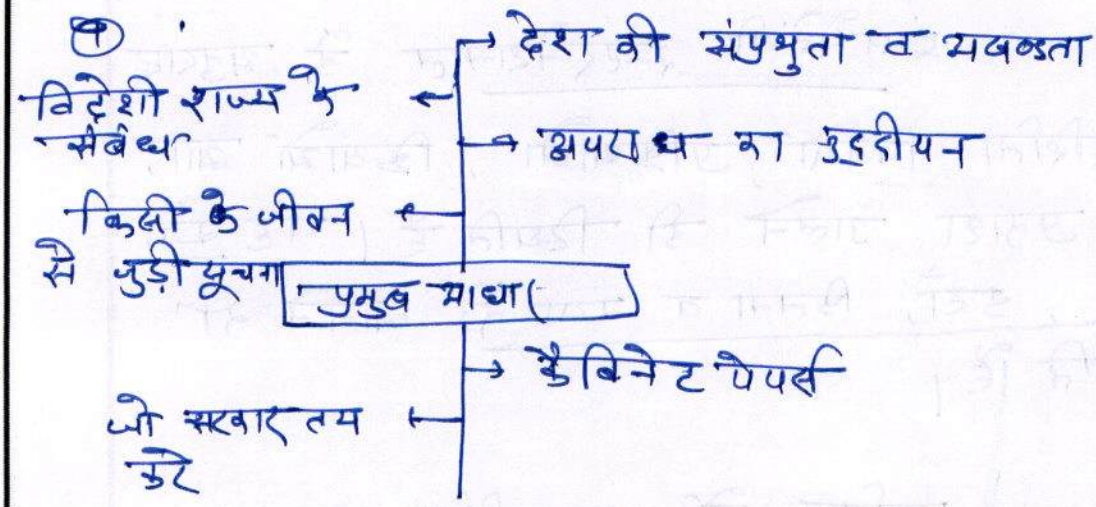

वस्तुतः सूचना का अधिकार व जानने का अधिकार (अनु. 19(1)) में निहित है तो निजता का अधिकार भी अनु. 21 के तहत मूल अधिकार है। अतः दोनों में संतुलन की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** Although bribery is illegal and counterproductive, public officials still demand bribes, and executives in the private sector remain tempted to pay up. In this context, discuss ways in which corporations can build a framework to eliminate the practice of offering kickbacks.

(150 words) 10

हालांकि, रिश्वतखोरी गैर-कानूनी और हानिकर है, लेकिन सरकारी अधिकारी अभी भी रिश्वत की मांग करते हैं और निजी क्षेत्र के कार्यकारी अधिकारी इसका भुगतान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस संदर्भ में, उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनसे निगम रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकते हैं।

विश्व बैंक के अनुसार, विकासशील देशों की प्रगति के समक्ष सबसे बड़ी बाधा भ्रष्टाचार है जो रिश्वत-खोरी का ही एक रूप है।

सरकारी अधिकारी द्वारा रिश्वत की मांग क्यों?

① समाज में इसकी स्वीकृति, यतः रिश्वत लेना अनैतिक नहीं मानते।

② समाज में धन प्रतिष्ठा का कारण → रिश्वत के माध्यम से स्पीड मनी व एक्सेस मनी

③ उपभोक्तावादी संस्कृति → खर्चे अत्यधिक → वेतन से पूर्ण नहीं होती

④ उचित कार्रवाई का अभाव — कानून का भय समाप्त

निजी क्षेत्र के कर्मचारी भुगतान हेतु क्यों तत्पर?

① प्रशासन में रेड टेपिज्म, कार्य में देरी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② रिश्वत देने हेतु पर्याप्त संसाधन
③ जटिल प्रक्रियाएँ → अधिकारी फाइल में कई कमी बता देते है जिनकी रिश्वत देकर पूर्ति
④ शीघ्रता हेतु शॉर्टकट रास्ता

निगम रिश्वत देने की प्रथा को समाप्त करने के उपाय

① भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम को सही अर्थों में लागू करना
रिश्वत देने वाला
लेनेवाला
दोनों को दोषी मानता है।

② निगमों में ऑडिट के माध्यम से वित्तीय खर्चों की जानकारी
③ अधिकारी – निजी क्षेत्र की सांठगांठ को कम करने हेतु संस्थागत तंत्र
④ e-गवर्नेंस को बढ़ावा जैसे-कैसलेस कर व्यवस्था
⑤ कार्यालयों में CCTV जैसी तकनीकी का प्रयोग
⑥ कॉर्पोरेट वर्क कल्चर व लोक सेवकों को नैतिक प्रशिक्षण

उपरोक्त उपायों से भ्रष्टाचार रोकने में मदद मिलेगी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Identifying the issues associated with utilization of public funds, discuss the various ethical principles which can help devise strategies for better utilization of public funds in India. **(150 words) 10**

सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मुद्दों की पहचान करते हुए, उन विभिन्न नैतिक सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए जो भारत में सार्वजनिक धन के बेहतर उपयोग के लिए रणनीति तैयार करने में सहायता कर सकते हैं।

सरकार के पास उपलब्ध को सार्वजनिक निधि माना जाता है जो मुख्यतः जनता द्वारा कर के रूप में प्राप्त होती है।

सार्वजनिक निधि के घटक

- संचित निधि — अनु. 266(1)
- लोक लेखा निधि — अनु. 266(2)
- आकस्मिकता निधि — अनु 267

सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़े मुद्दे

1. भ्रष्टाचार — सार्वजनिक धन का निजी हित में उपयोग
   जैसे — 2G घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला
2. अत्यधिक संस्थागत खर्च — मँहगी व अनावश्यक मैत्रियों की यात्राएँ अनेक उत्सव
3. जटिल प्रक्रिया — आबंटित धन का समुचित उपयोग नहीं
   'मार्च रश' जैसी समस्या
4. विकासात्मक कार्यों पर कम खर्च

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. लोक-लुभावन राजनीति — चुनावी फ्रीबीज
└ नॉन मेरिट सब्सिडी को बढ़ावा

सार्वजनिक धन के बेहतर उपयोग के लिए रणनीति

① योजना — विश्वसनीय आँकड़ो पर आधारित
└ खर्च का अनुमान करना आसान

② बजट प्रक्रिया — जीरो बेस्ड बजटिंग
└ जेंडर बजटिंग
└ परफोर्मेंस बजटिंग } → प्रभावी बनाना

③ ऑडिट व्यवस्था — आंतरिक ऑडिट को मजबूत करना
└ थर्ड पार्टी ऑडिट, सामाजिक अंकेक्षण को मजबूत बनाना
जैसे मेघालय में social audit Act पारित

④ e-गवर्नेंस व सूचना तकनीक का प्रयोग
⑤ RTI व सिटिजन चार्टर का प्रभावी प्रयोग
⑥ उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता हेतु संस्थागत तंत्र

लोकनिधि किसी राष्ट्र का कल्याण करने व सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का माध्यम है अत: उसका सदुपयोग किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "All persons ought to endeavour to follow what is right, and not what is established." — Aristotle **(150 words) 10**

"सभी व्यक्तियों को जो सही है उसका पालन करने का प्रयास करना चाहिए, न कि जो स्थापित है उसका पालन करना चाहिए।" - अरस्तू

अरस्तू का यह कथन नैतिकता के पालन पर बल देता है।

कई बार समाज में अनैतिक कार्य होते है जैसे- सती प्रथा, बलि प्रथा आदि। ऐसे में इन सबसे अलग नैतिक कार्य को चुनना चाहिए। जैसे 19वीं सदी में राजा राममोहन राय ने चुना।

→ नवाचार - स्थापित मार्ग से भिन्न सही का पालन करने पर समाज में नवाचार आते है, जैसे - कॉपरनिकस, गैलिलियो ने चर्च द्वारा स्थापित मान्यताओं के स्थान पर सही मार्ग को चुना।

→ कई बार स्थापित मान्यताओं का पालन करने से व्यक्ति में

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आत्मग्लानि ~~का~~ ~~आत्मबोध~~ उत्पन्न होती है क्योंकि वह अपने नैतिक मूल्यों के अनुसार कार्य नहीं कर पाता है।

अरस्तु का ही कथन है कि हमें राज्य की व्यवस्था उतनी ही मात्रा में पालन करना चाहिए जहाँ तक वह हमें नैतिक रहने की स्वतंत्रता प्रदान करे।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) "It is compassion, the most gracious of virtues, which moves the world." — Tiruvalluvar, Kural **(150 words) 10**

"करुणा, जो सबसे उदार सद्गुण है, विश्व को संचालित करती है।" - तिरुवल्लुवर, कुरल

करुणा का अर्थ है - अन्य प्राणियों के प्रति सहृदय का भाव रखते हुए इनके प्रति सेवा की भावना।

करुणा का महत्त्व

① करुणा से अहिंसा का मूल्य उत्पन्न होता है जो विश्व में युद्ध के स्थान पर शांति को बढ़ावा देता है जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध में

② वर्तमान में जैव-विविधता के नाश के कारण जलवायु परिवर्तन संकट उत्पन्न हुआ है। ऐसे में प्राणियों के प्रति करुणा रखने से पर्यावरण का संरक्षण किया जा सकता है।

③ भारतीय परम्परा में प्रारंभ से ही करुणा पर बल दिया गया है जहाँ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कहा गया तो कबीर ने कहा है
कि 'सांई के सब जीव हैं।
कीरी कुंजर दोय।"

④ करुणा से विश्व नागरिकतावाद तथा वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का विकास होता है जिससे क्षेत्रवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता जैसी समस्याऐं समाप्त हो जाती हैं।

इसलिए बुद्ध, तिरुवल्लुवर, गांधी आदि ने करुणा को अत्यधिक महत्व प्रदान किया है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (c) "I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." — Mahatma Gandhi **(150 words) 10**

"मैं लोकतंत्र को एक ऐसी व्यवस्था के रूप में समझता हूँ जो कमजोर को मजबूत के समान अवसर प्रदान करती है।" - महात्मा गांधी

लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जहाँ जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन करती है।

लोकतंत्र - कमजोर का सशक्तिकरण

① प्रत्येक व्यक्ति का एक वोट

कमजोर व मजबूत की समान स्थिति

② राज्य की नजर में सभी समान होते हैं तथा कानून का शासन होता है जो गरीब व अमीर को एक पायदान पर खड़ा करता है।

③ लोकतंत्र में राज्य गरीबों की स्थिति उठाने व उन्हें मजबूत के समकक्ष लाने हेतु अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाती है।

जैसे मनरेगा, आरक्षण (भारत में)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालाँकि लोकतंत्र में गरीब-अमीर या कमजोर-सशक्त की खाई भी बढ़ जाती है —

① बहुसंख्यकों का बढ़ता प्रभुत्व

② भ्रष्टाचार के कारण वंचित वर्ग हाशिए पर

③ निजीकरण को बढ़ावा → आर्थिक विषमता

अतः स्पष्ट है कि लोकतंत्र अन्य व्यवस्थाओं की तुलना सामाजिक न्याय का सशक्त साधन है हालाँकि इसकी कुछ कमियाँ भी हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** "A well-developed Emotional intelligence is not only an instrumental tool in accomplishing goals, but has a dark side as a weapon for manipulating others by robbing them of their capacity to reason." Analyse.

(150 words) 10

"एक सुविकसित भावनात्मक बुद्धिमत्ता न केवल लक्ष्यों को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण है, अपितु इसका एक नकारात्मक पक्ष यह है कि यह दूसरों की तर्क करने की क्षमता को समाप्त करके उन्हें धोखा देने के लिए एक हथियार भी है।" विश्लेषण कीजिए।

सेलोवी व मेयर के अनुसार, भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI) एक सीखने योग्य क्षमता है जिसके माध्यम से हम अपनी भावनाओं का प्रबंधन व दूसरों की भावनाओं को समझते हुए कार्य-सफलता की ओर निर्देशित करते हैं।

E.I. का सकारात्मक पक्ष

① आत्म जागरूकता - के माध्यम से स्वयं की भावनाओं को समझ कर उनके अनुरूप व्यवहार करना

② आत्म प्रेरणा - कार्य को लम्बे समय जारी रखने की प्रेरणा
- तनाव प्रबंधन की क्षमता
- कर्मचारियों को प्रेरित करना

③ समानुभूति - लोगों की भावनाओं को समझकर उन्हें कार्य बाँटना
- टीम वर्क की भावना का विकास करना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ सामाजिक व्यवहार - ऑफिस में लोगों को उचित आचरण हेतु निर्देशित करना
↳ दंगे आदि के समय भीड़ प्रबंधन

⑤ आत्म प्रबंधन - गुस्से, तनाव आदि के समय अपनी अभिव्यक्ति को सीमित करना।

E.I. का नकारात्मक पक्ष

① किसी की भावनाओं को समझ कर उसका शोषण करना जैसे - परिवारों में महिलाओं का शोषण

② भावनाओं को गलत दिशा में मोड़ना जैसे - आतंकियों के साथ

③ भावनात्मक रूप से अपने ऊपर निर्भर बना कर ब्लैकमेल करना,
जैसे - लड़कियों के साथ होने वाले यौन शोषण में

E.I. एक बुद्धिमत्ता है जिसका प्रयोग नैतिकता के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके लिए व्यक्ति को नैतिक मूल्य सिखाने पर बल देना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** What do you understand by conformity, compliance and obedience? Discuss their relevance in the context of civil services in India.

(150 words) 10

स्वीकार्यता, अनुपालन और आज्ञाकारिता से आप क्या समझते हैं? भारत में लोक सेवाओं के संदर्भ में इनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

स्वीकार्यता - स्वीकार्यता का तात्पर्य है कि जो व्यवस्था चल रही है, उसको पूरी तरह से स्वीकार कर लेना, परिवर्तन के प्रति अनिच्छा रखना।
जैसे व्यक्ति, समाज के मूल्यों से प्रायः स्वीकार्यता रखता है।

अनुपालन - किसी नियम, कानून, परंपरा का पालन करना, उससे विचलन न दिखाना।
जैसे - PIO द्वारा RTI का अनुपालन

आज्ञाकारिता - किसी वरिष्ठ की आज्ञा का पालन करना, बिना उचित - अनुचित का विचार किए।
जैसे - माता-पिता की आज्ञा का बच्चों द्वारा अनुपालन

लोकसेवा के सन्दर्भ में इनकी प्रासंगिकता

① स्वीकार्यता का मूल्य लोकसेवा में उचित व्यवस्था तक ही पालन करना चाहिए

क्योंकि - यह नवाचार को कम करता है
→ व्यक्ति को यथास्थितिवादी बना देता है।

(2) अनुपालन - कानूनों के अनुपालन से ही उचित कार्यप्रणाली चलती है।
→ किन्तु गलत कानूनों के अनुपालन से बचना चाहिए
→ कानून के अनुपालन के प्रभाव का मूल्यांकन करना चाहिए
→ ~~कानू~~

(3) आज्ञाकारिता - लोक सेवा में पदानुक्रम की व्यवस्था के सफल संचालन हेतु आवश्यक
- किन्तु आज्ञाकारिता अवैध या भ्रष्ट गतिविधियों के संबंध में नहीं होनी चाहिए।
जैसे - पक्षपात या भ्रष्टाचार के आदेश को खारिज करना

स्पष्ट है कि स्वीकार्यता, अनुपालन व आज्ञाकारिता नैतिकता की परिधि में रहकर लोक सेवा की व्यवस्था को सफलता से संचालित करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(a)** Though the internal control systems in India are impressive on paper, they have not worked well in curbing the issue of corruption in the administration. Comment. Also, discuss the various reasons for the same. **(150 words) 10**

हालांकि, भारत में आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ कागज पर प्रभावशाली हैं, फिर भी वे प्रशासन में भ्रष्टाचार की समस्या को रोकने में ठीक से काम नहीं कर सकी हैं। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, इसके विभिन्न कारणों पर भी चर्चा कीजिए।

ट्रांसपेरेंसी इन्टरनेशनल के अनुसार भारत करप्शन परसेप्शन इंडेक्स (CPI) में 85वें स्थान पर है जो भ्रष्टाचार की समस्या को उजागर करता है।

आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ विभिन्न संगठनों में वित्तीय जाँच व अन्य जाँचों के लिए स्थापित की जाती है ताकि संगठन में नैतिक मानदंडों का अनुपालन हो सके।

जैसे - विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार रोकने हेतु सतर्कता यूनिट

लेकिन इनका कार्यकरण प्रभावी नहीं रहा और भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई जो निम्न है —

CPI –	२०१९ –	180 वाँ स्थान
CPI –	2021	85 वाँ स्थान

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के अप्रभावी रहने के कारण

① इन प्रणालियों द्वारा वस्तुनिष्ठ व पारदर्शी तरीके से ऑडिट नहीं किया गया

② संगठनों के मालिक के साथ गठजोड़ अतः ये भी भ्रष्टाचार में शामिल

③ पर्याप्त जाँच हेतु कुशल मानवशक्ति का अभाव

④ संगठनों की खराब स्थिति के बावजूद उच्च रेटिंग प्रदान करना — विश्वसनीयता कमजोर

⑤ आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों में संगठन के सदस्य शामिल — अतः हित संघर्ष की स्थिति

भ्रष्टाचार को कम करने हेतु आंतरिक प्रणालियों की सुदृढ़ता के साथ-साथ सामाजिक अंकेक्षण को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए जो भ्रष्टाचार कमी के साथ-साथ जनभागीदारी सुनिश्चित करता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** There is broad consensus that the state has failed to effectively deliver public services to its citizens, particularly the poor. In this context, discuss the need for providing incentives, building state capacity and ensuring transparency for better service delivery. **(150 words) 10**

इस विषय पर व्यापक सहमति है कि राज्य अपने नागरिकों, विशेष रूप से गरीबों को प्रभावी ढंग से सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में विफल रहा है। इस संदर्भ में, बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने, राज्य की क्षमता का निर्माण करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

वर्तमान में राज्य, पुलिस राज्य से कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को अपना चुका है जिसमें वह नागरिकों को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है।

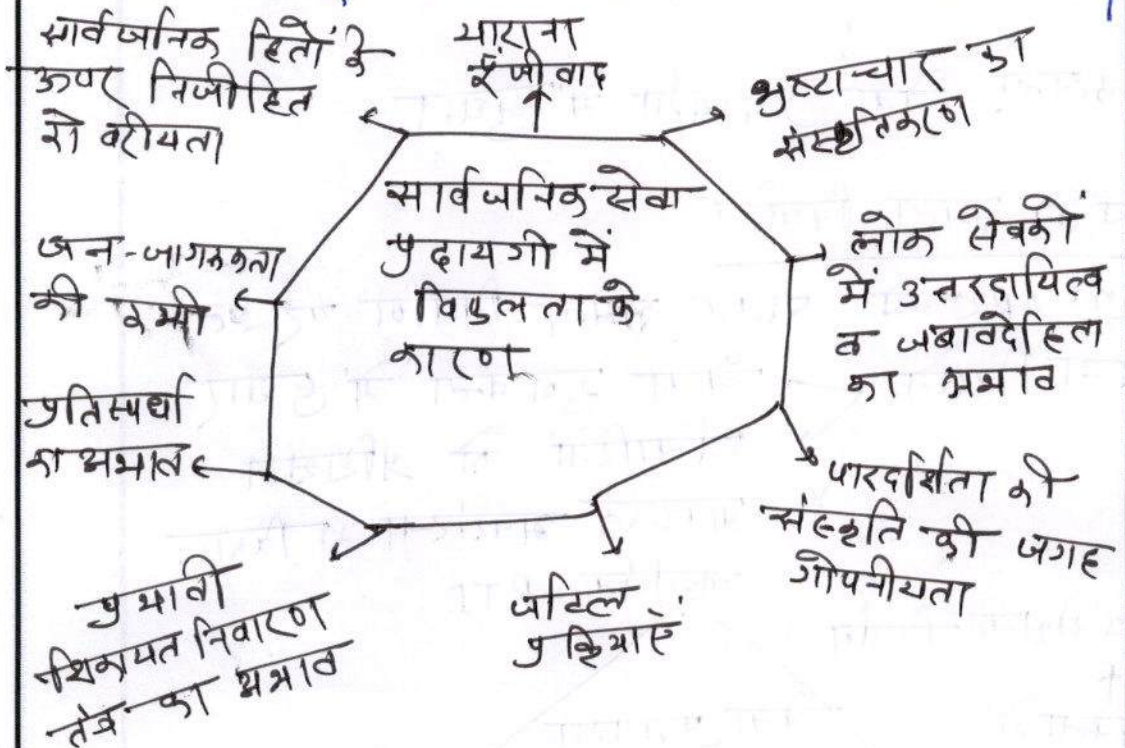

बेहतर सेवा प्रदायगी हेतु प्रोत्साहन की आवश्यकता

① भारत में वर्तमान व्यवस्था में अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहन नहीं, वेतन व पदोन्नति - समय आधारित है। अतः सिविल सेवकों में निष्क्रियता का भाव

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ दंड व पुरस्कार की व्यवस्था - सेवा प्रदायगी में सुधार
→ पदोन्नति व वेतन वृद्धि में सेवा प्रदायगी हेतु किए गए प्रयासों को आधार बनाना।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने से -

→ जनभागीदारी में वृद्धि
→ लोक सेवकों में उत्तरदायित्व का जवाबदेहिता
→ जनता के अधिकारों में वृद्धि
→ चयन की स्वतंत्रता
↓
फलतः सेवा प्रदायगी में सुधार

राज्य की क्षमता निर्माण

→ 2nd ARC ने सतत क्षमता निर्माण पर बल दिया जिसमें → सेवा गुणवत्ता में सुधार
→ कर्मचारियों को प्रशिक्षण
→ आवश्यक अवसंरचना का विकास

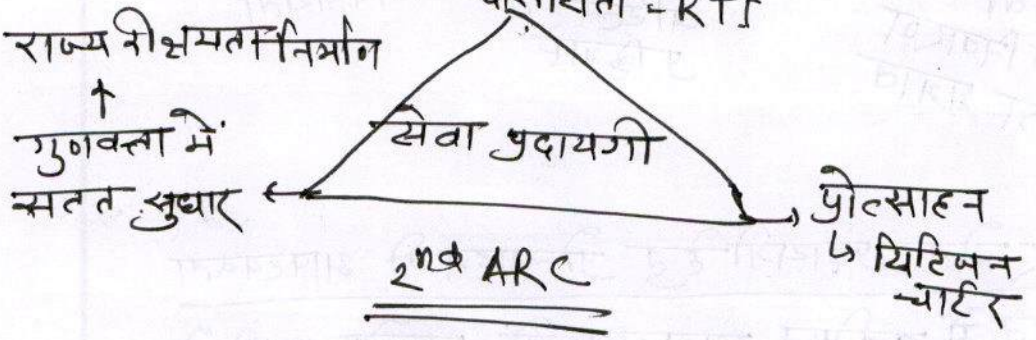

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You are the principal of a college which has a long history of student politics. However, due to your personal belief, you are not in favour of conducting student elections and thus have kept the process of yearly student elections pending without any official announcement. While you are mulling over the decision of not conducting elections, you get representation from some professors as well as students who criticize the activities of student unions as obstructive to the academic environment of the college. Some time later, student leaders also come to talk to you regarding conduct of elections, and you tell them about the representation received by you against allowing student elections. You further tell them that you are contemplating suspending all activities related to student politics in the campus. On hearing this, student leaders become aggressive and start sloganeering and destroying college property. In this context, answer the following questions:

(a) What are the issues involved in the case above?

(b) How can you separate your personal ethics from professional ethics?

(c) How would you deal with this situation? **(20)**

आप एक ऐसे कॉलेज के प्रिंसिपल हैं जिसका छात्र राजनीति का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि, अपने व्यक्तिगत विश्वास के कारण, आप छात्र चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं और इस प्रकार आपने वार्षिक छात्र चुनाव की प्रक्रिया को बिना किसी आधिकारिक घोषणा के लंबित रखा है। जब आप चुनाव न कराने के निर्णय पर विचार कर रहे होते हैं, तो आपसे कुछ प्रोफेसर के साथ-साथ छात्रों का एक प्रतिनिधि मंडल मिलता है, जो छात्र संघों की गतिविधियों की कॉलेज के शैक्षणिक वातावरण में बाधक के रूप में आलोचना करते हैं। कुछ समय बाद, छात्र नेता भी चुनाव के संचालन के संबंध में आपसे बात करने के लिए आते हैं और आप उन्हें छात्र चुनावों की अनुमति के विरुद्ध आपसे मिले प्रतिनिधि मंडल के बारे में बताते हैं। आप आगे उन्हें यह भी बताते हैं कि आप कैंपस में छात्र राजनीति से जुड़ी सभी गतिविधियों को बंद करने पर विचार कर रहे हैं। यह सुनते ही छात्र नेता आक्रामक हो जाते हैं तथा नारेबाजी और कॉलेज की संपत्ति को नष्ट करने लगते हैं। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में कौन-से मुद्दे शामिल हैं?

(b) आप अपनी व्यक्तिगत नैतिकता को पेशेवर नैतिकता से कैसे पृथक कर सकते हैं?

(c) आप इस स्थिति से कैसे निपटेंगे?

भारत में ~~कुछ~~ कॉलेजों में चुनावी राजनीति की एक प्रमुख परंपरा है जिसे छात्र जीवन के स्तर पर राजनीति की प्रयोगशाला के रूप में देखा जाता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

है। हालाँकि चुनावों के दौरान हिंसा व सार्वजनिक संपत्ति की क्षति भी देखने को मिलती है।

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

① छात्रों का चुनाव लड़ने का राजनीतिक अधिकार का मुद्दा।

② अन्य छात्रों को कॉलेज में बिना किसी परेशानी के पढ़ने के अधिकार का मुद्दा

③ छात्र संघों को कॉलेज के चुनाव आयोजित कराने हेतु प्रिंसिपल द्वारा धन को आवंटित न करना

④ छात्र संघों द्वारा आक्रामक गतिविधियों द्वारा कॉलेज की संपत्ति नष्ट करना

⑤ प्रिंसिपल के निजी हित (चुनाव न कराना) व छात्र संघों के हितों में टकराव की समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यक्तिगत नैतिकता को पेशेवर नैतिकता से अलग रखने के उपाय

व्यक्तिगत नैतिकता व्यक्तिगत स्तर पर किसी कार्य को नैतिक - अनैतिक मानने से संबंधित है जबकि व्यवसायिक नैतिकता उस व्यवसायिक संगठन की नैतिक संहिता व आचार संहिता के पालन करने से संबंधित है।

→ प्रिंसिपल को कॉलेज के नियमों को अपने निजी विश्वास पर वरीयता देना

→ पूर्व उदाहरणों का सहयोग लेना जैसा कि कॉलेज में चुनाव का लंबा इतिहास रहा है।

→ व्यक्तिगत नैतिकता को पालन करने के प्रभाव का आकलन करना

इस स्थिति से निपटने का उपाय

(1) सर्वप्रथम विद्रोह कर रहे छात्रों को चेतावनी दें कि वे इस तरह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की आक्रामक गतिविधियों को बंद करे।

② गतिविधियों के बंद न होने पर तात्कालिक रूप से कानून - व्यवस्था बनाने हेतु पुलिस का सहारा ले।

③ इसके बाद छात्र संघों की मीटिंग बुलाएँ, चूँकि चुनाव लड़ना उनका राजनीतिक अधिकार है तो शांति के माहौल में पढ़ाई करना छात्रों का, अतः कुछ नियम निर्धारित किए जा सकते हैं —

✓ चुनाव में केवल स्वेच्छा से भाग लेना, किसी पर कोई दबाव नहीं बनाया जाएगा

✓ चुनाव के दौरान कक्षाओं को बाधित नहीं किया जाएगा

✓ छात्र संघों को आचार संहिता का पालन करना होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- रात्रियों के समय चुनावी प्रचार या शोर मचाने पर प्रतिबन्ध
- संपत्ति तोड़फोड़ जैसी स्थिति में कानूनी कार्यवाही।

इस प्रकार दोनों के हितों में समन्वय के माध्यम से समस्या का समाधान सम्भव है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Capital punishment, or "death penalty," is an institutionalized practice designed to result in deliberately executing persons in response to actual or supposed misconduct and following an authorized, rule-governed process to conclude that the person is responsible for violating norms that warrant execution. Punitive executions have historically been imposed by diverse kinds of authorities, for an expansive range of conduct, political or religious beliefs and practices, for a status beyond one's control, or without employing any significant due process procedures. Punitive executions also have been and continue to be carried out more informally, such as by terrorist groups, urban gangs, and mobs. For centuries in Europe and America, discussions have focused on capital punishment as an institutionalized, rule-governed practice of modern states and legal systems governing serious criminal conduct and procedures. In light of the above debate of capital punishment, answer the following questions:

(a) What are the arguments in favour of and against having capital punishment in the criminal justice system?

(b) Do you think capital punishment has a place in modern civilised society? Examine in the context of moral implications involved in awarding it.

(20)

फांसी या 'मृत्युदंड', एक संस्थागत प्रक्रिया है, जिसे वास्तविक या कथित कदाचार की प्रतिक्रिया में जानबूझकर व्यक्तियों को प्राणदंड देने हेतु डिजाइन किया गया है और इसके लिए एक प्राधिकृत, नियम-आधारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है ताकि इस नतीजे पर पहुँचा जा सके कि व्यक्ति उन मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार है जो प्राणदंड का प्रावधान करते हैं। मृत्युदंड, ऐतिहासिक रूप से विभिन्न प्रकार के अधिकारियों द्वारा आचरण, राजनीतिक या धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए, किसी के नियंत्रण से परे स्थिति के लिए या किसी भी महत्वपूर्ण स्थापित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना भी दिया जाता रहा है। मृत्युदंड का विभिन्न समूहों द्वारा अधिक अनौपचारिक रूप से पालन किया जाता है और वर्तमान में भी इसे जारी रखा गया है, जैसे कि आतंकवादी समूहों, शहरी गिरोहों और भीड़ द्वारा। यूरोप और अमेरिका में सदियों से जारी चर्चाओं ने आधुनिक राज्यों के संस्थागत व नियम-आधारित प्रक्रिया तथा गंभीर आपराधिक आचरण और कार्रवाईयों को नियंत्रित करने वाली कानूनी व्यवस्था के रूप में मृत्युदंड पर ध्यान केंद्रित किया है। मृत्युदंड के संदर्भ में, उपर्युक्त चर्चा के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदंड के पक्ष और विपक्ष में तर्क क्या हैं?

(b) क्या आपको लगता है कि आधुनिक सभ्य समाज में मृत्युदंड का कोई स्थान है? इसे दिए जाने में शामिल नैतिक निहितार्थों के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

वर्तमान समय में मृत्युदण्ड को
लेकर विचारों में एक विवाद की
स्थिति है। कुछ विचारक कानून-व्यवस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के सफल संचालन हेतु इसे आवश्यक मानते है तो वहीं मानवाधिकार के उल्लंघन के आधार पर इसका विरोध करते हैं। इसी से सम्बंधित यह केस स्टडी है।

a) आपराधिक न्याय प्रणाली में मृत्युदण्ड के पक्ष में तर्क

① यह न्याय करने का एक तरीका है अर्थात, किसी की हत्या, बलात्कार आदि जुर्म करने वाले को भी जीने का कोई अधिकार नहीं है।

② इससे समाज में यह भय का माहौल उत्पन्न होता है जिससे अन्य लोग अपराध करने से डरते है।

③ यह दण्ड की निवर्तनवादी (Deterrent) उपागम पर आधारित है जो जेरेमी बेंथम द्वारा समर्थित है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ मृत्युदण्ड के अभाव में कई शातिर अपराधी बार-बार अपराध करते हैं।

मृत्युदण्ड के विपक्ष में तर्क

→ ~~इसका~~ दण्ड के सुधारवादी सिद्धांत के समर्थक (जैसे - प्लेटो, गांधी, कांट) का मानना है कि दण्ड का उद्देश्य अपराधी के आचरण को सुधारना होता है।

→ जीवन जीने का अधिकार व्यक्ति का मूलभूत व नैसर्गिक अधिकार है।

→ निवर्तनवादी विचारधारा व्यक्ति को साधन मानती है, जबकि प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में साध्य होता है, अतः उसके मृत्युदण्ड द्वारा भय उत्पन्न करना उचित नहीं।

④ मृत्युदण्ड पाने वाले व्यक्ति के दोषी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

होने के संभावना पर प्रश्न खड़ा किया जाता है, अर्थात् कई बार निर्दोष को मृत्युदण्ड की सजा।

⑤ मृत्युदण्ड के क्रियान्वयन में विलंब → प्रतिदिन मौत का अहसास।

वर्तमान समय में मृत्युदण्ड के नैतिक निहितार्थ

① मृत्युदण्ड एक अनिवार्य बुराई है अतः यथासंभव इससे बचने का प्रयास

② यह व्यक्ति की गरिमा को सीमित करता है।

③ आधुनिक सभ्य समाजों ने मृत्युदण्ड को खारिज कर दिया है।

④ व्यक्ति को जीवन देने का अधिकार नहीं, तो जीवन लेने का भी नहीं

⑤ लेकिन, जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि Rare of Rarest case

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में मृत्युदण्ड दिया जा सकता है
जहाँ — अपराधी आदतन हो
- अपराध अत्यन्त जघन्य हो
जैसे - बच्चे के साथ बलात्कार
- निर्दयी हत्या
- उसका अपराध सिद्ध हो चुका हो।

उपरोक्त परिस्थितियों के अतिरिक्त
प्रायः मृत्युदण्ड से बचना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. An Indian company is active in the telecom sector and is the majority owner of a telecom company based in other geographies across the world. At one of its European headquarters, there emerged whistleblowing allegations that a local executive was bribing local government officials in order to obtain telecom cabling and construction contracts from the local government. The kickbacks were allegedly paid through a third-party consultant. More specifically, there were allegations that the executive, the third party, and a government official had some sort of business interest in common, possibly shareholdings in a limited company or the joint ownership of an undisclosed asset. The company is thought to be particularly close to the ruling dispensation in India and the news has now raised pressure to put its business operations in India under scanner as well. In this context, answer the following questions:

(a) What are the ethical challenges in the given case?

(b) Identify the different stakeholders and their interests.

(c) As the CEO of the firm, how would you respond to the given situation?

(20)

एक भारतीय कंपनी दूरसंचार क्षेत्र में सक्रिय है और विश्व भर के अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित एक दूरसंचार कंपनी के अधिकांश शेयरों की स्वामी है। इसके यूरोपीय मुख्यालयों में से एक में, यह आरोप लगाया गया है कि एक स्थानीय कार्यकारी अधिकारी स्थानीय सरकार से दूरसंचार केबल बिछाने और निर्माण अनुबंध प्राप्त करने के लिए स्थानीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दे रहा था। कथित तौर पर एक तीसरे पक्ष के सलाहकार के माध्यम से घूस दी गई थी। विशेष रूप से, ऐसे आरोप लगाए गए हैं कि कार्यकारी अधिकारी, तीसरे पक्ष और एक सरकारी अधिकारी के बीच किसी प्रकार का साझा व्यावसायिक हित, संभवतः एक सीमित कंपनी में शेयरधारिता या किसी अज्ञात संपत्ति का संयुक्त स्वामित्व विद्यमान है। उक्त कंपनी को विशेष रूप से भारत में सत्तारूढ़ व्यवस्था के निकट माना जाता है और इस आरोप ने अब इसके भारत में संचालित व्यापार को भी जांच के दायरे में लाने का दबाव बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिये गये प्रकरण में शामिल नैतिक चुनौतियां क्या हैं?

(b) विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(c) उक्त कंपनी के एक सी.ई.ओ. के रूप में, आप दी गई स्थिति में किस प्रकार प्रत्युत्तर देंगे?

याराना पूंजीवाद वर्तमान युग में एक प्रमुख समस्या बन गई जो व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा को समाप्त करने व एकाधिकार स्थापित करने का माध्यम बनती जा रही। उपर्युक्त केस स्टडी इसी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से संबंधित है।

प्रकरण में प्रमुख नैतिक चुनौतियाँ

① कंपनी के कर्मचारी द्वारा सरकारी अधिकारी को रिश्वत दिया जाना

② भ्रष्टाचार के मामले में तृतीय पक्ष की उपस्थिति - गठजोड़ आधारित भ्रष्टाचार की समस्या (2nd ARC के अनुसार यह अधिक खतरनाक है)

③ सार्वजनिक हित (सरकारी अधिकार) व निजी हित में से निजी हितों को वरीयता

④ भारत की सत्तारूढ़ व्यवस्था पर आरोप लगने का मुद्दा

⑤ कंपनी के वर्क कल्चर के खराब होने की समस्या

⑥ व्यवसायिक नैतिकता के मानदंडों का उल्लंघन

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विभिन्न हितधारक	उनके हित
कंपनी का अधिकारी	दूरसंचार केबल बिछाने व निर्माण अनुबंध प्राप्त करने संबंधित
स्थानीय सरकारी अधिकारी	इस के माध्यम से धन प्राप्ति
तृतीय पक्ष	साझा हित, कंपनी की शेयरधारिता, कंपनी को लाभ की संभावना
भारत का प्रतिस्पर्द्धी दल	इसकी छवि खराब हो सकती
भारत में संचालित कंपनी	व्यापार प्रभावित होगा।

कंपनी के CEO के रूप में मेरी प्रतिक्रिया

① सर्वप्रथम मामले का पूर्ण संज्ञान लूंगा

② एक जाँच समिति का निर्माण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जो ईमानदारी से इस जाँच को सम्पन्न करे।

③ निर्माण कार्य व केवल बिल्डिंग के कार्य को कुछ समय के लिए स्थगित करना

④ स्थानीय कार्यकारी अधिकारी से स्पष्टीकरण माँगना

⑤ सरकार के समक्ष अपना पक्ष रखना।

⑥ सरकार की जाँच में सहायता करना

⑦ अधिकारी के दोषी पाए जाने पर उसे कंपनी से निष्कासित

⑧ पुनः सरकार से निर्माण कार्य की अनुमति प्राप्त करना

उपर्युक्त उपायों से समस्या का समाधान संभव है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Sunil has been posted as a DM in a hilly district which is vulnerable to several natural disasters. The district is known for a pilgrimage site and is frequently visited by tourists from all over India. The major occupation of locals therefore lies in the hospitality business. Unfortunately, after a few days of his joining, the district faced a major earthquake. It has led to high casualties and damages to the essential infrastructure such as roads and bridges. Both locals and tourists are trapped at different routes and locations. An international convoy of dignitaries from a neighboring country which has come to pay their obeisance at the pilgrimage site, is also trapped due to the disaster. Because of this, Sunil has to divert most of the available resources in the rescue operation of the foreign dignitaries. People are emotionally distressed due to the disaster, and delayed response from authorities to their needs has led to a law-and-order situation in the district. People from other states whose families are trapped and need immediate assistance are also getting restless and flooding the emergency helplines with complaints and requests.

(a) Discuss the issues being faced by Sunil in the given scenario.

(b) Mention a course of action that Sunil must take to maintain law-and-order as well as to expediate rescue operations of all concerned. **(20)**

सुनील को अनेक प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सुभेद्य एक पहाड़ी जिले में डी.एम. के रूप में पदस्थापित किया गया है। यह जिला एक तीर्थ स्थल के लिए प्रसिद्ध है और अक्सर यहां पूरे भारत के पर्यटकों द्वारा यात्रा की जाती है। इसलिए, स्थानीय लोगों का प्रमुख कारोबार आतिथ्य व्यवसाय से संबंधित है। दुर्भाग्य से, उसके पदस्थापित होने के कुछ दिनों के बाद, जिले को एक बड़े भूकंप का सामना करना पड़ा। इससे अनेक लोगों की मृत्यु तथा सड़कों और पुलों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई है। स्थानीय लोग और पर्यटक दोनों अलग-अलग मार्गों और स्थानों पर फंसे हुए हैं। तीर्थस्थल पर आए पड़ोसी देश के गणमान्य व्यक्तियों का एक अंतर्राष्ट्रीय काफिला भी आपदा के कारण फंस गया है। इस वजह से सुनील को अधिकांश उपलब्ध संसाधनों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के बचाव अभियान में लगाना है। आपदा के कारण लोग भावनात्मक रूप से व्यथित हैं और इनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अधिकारियों की विलंबित प्रतिक्रिया ने जिले में कानून-व्यवस्था के लिए प्रतिकूल स्थिति उत्पन्न कर दी है। अन्य राज्यों के लोग जिनके परिवार फंस गए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है, वे भी व्याकुल हो रहे हैं तथा आपातकालीन हेल्पलाइन पर शिकायतों और अनुरोधों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो गई है।

(a) दिए गए परिदृश्य में सुनील द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सभी संबंधित लोगों के बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए सुनील द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए।

भारत में 14% क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सुभेद्य है और यहाँ पहाड़ी क्षेत्र में बड़े परिमाण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के भूकंप आते रहते हैं जिससे व्यापक पैमाने पर जन-धन की हानि होती है। ऐसे में बचाव कार्य में लगे सिविल सेवकों के मध्य ऐसे नैतिक दुविधाएँ उत्पन्न होती है जो उपरोक्त केस स्टडी में वर्णित है।

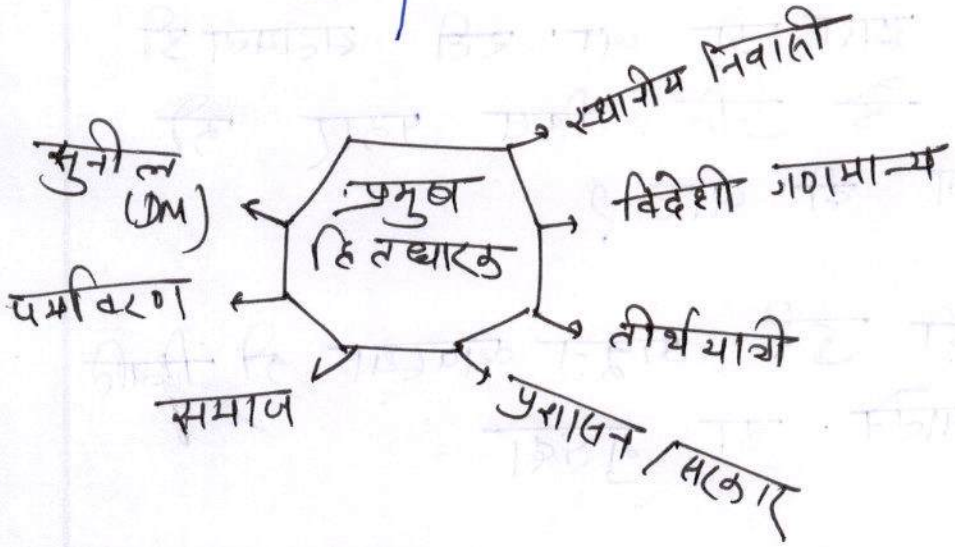

समस्या समाधान के लिए अपेक्षित मूल्य
- करुणा
- संवेदनशीलता
- दृढ़निश्चय
- क्षिप्रता
- उद्यमशीलता

सुनील के समक्ष मुद्दे

① आपदा से प्रभावित लोगों को बचाने की समस्या।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② विदेशी गणमान्यों को प्राथमिकता दी जाए या तत्काल आवश्यकता वाले लोगों हेतु संसाधन लगाए जाएँ।

③ राष्ट्र की छवि बनाम संवेदनशीलता का मुद्दा

④ लोगों द्वारा की जा रही सहायता की पेशकश के प्रति किस प्रकार की प्रतिक्रिया दी जाए?

⑤ बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था की स्थिति से संभालने का मुद्दा

⑥ ध्वस्त अवसंरचना (सड़क, पुल) से उत्पन्न होने वाली समस्याएँ।

⑦ संसाधनों की सीमित उपलब्धता।

सुनील द्वारा की जाने वाली कार्रवाई

① सर्वप्रथम घटना स्थल पर पहुँच आपदा के प्रभावों की भयावहता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को जानना तथा उसी अनुसार निर्णय लेना।

② अत्यधिक घायल व्यक्तियों को तुरंत अस्पताल की ओर रवाना करना

③ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनता के साथ निरंतर संवाद व अपील करना

④ स्थानीय नागरिकों व सिविल सोसाइटी का सहयोग लेना

⑤ टीम को कई हिस्सों में बाँटकर विदेशी नागरिक, तत्काल सहायता की आवश्यकता वाले लोगों तक पहुँचाना

⑥ अपने व्यवहार में धैर्य बनाते रखते हुए लोगों का साहस व प्रेरणा देना

⑦ सरकार से शीघ्रातिशीघ्र अन्य सुरक्षा दल व संसाधनों को भेजने का अनुरोध करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुशील को किसी व्यक्ति को मरते हुए देख विदेशी गणमान्य को प्राथमिकता देने से बचते हुए करुणा के मूल्य के आधार पर उसी का सहयोग करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are posted as a Customs official in one of renowned port cities of India. Your team has recently intercepted a consignment having over 5000 kilograms of red sandalwood. Red Sandalwood, also known as Red Sanders, is a prohibited item for export and is covered under the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES) list and hence you detained a few individuals for their alleged involvement in trying to smuggle it to another country.

However, you later come to know that these people are working for an influential businessman with close ties to the ruling party of the state. Your seniors in the department have verbally instructed you not to register any compliant as yet. You are fearful that a deal will be struck between the businessman and a few corrupt officers of your department and the detained persons will be freed. You are ready to go ahead and file the complaint but at the same time are also fearful of departmental action against you if you disobey your seniors.

(a) What are the various options available to you in the given case? Evaluate the merits and demerits of each of these.

(b) Also indicate (without necessarily restricting to the above options) your course of action and the reasons for the same. **(20)**

आप भारत के एक प्रसिद्ध बंदरगाह शहर में सीमा शुल्क अधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं। आपकी टीम ने हाल ही में 5,000 किलोग्राम से अधिक लाल चंदन की एक खेप को पकड़ा है। लाल चंदन, जिसे रेड सैंडर्स के रूप में भी जाना जाता है, जो निर्यात के लिए एक निषिद्ध वस्तु है तथा इसे वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (CITES) के तहत शामिल किया गया है। इसलिए आपने कुछ व्यक्तियों को इसे दूसरे देश में तस्करी करने में उनकी कथित संलिप्तता के कारण हिरासत में लिया है। हालांकि आपको बाद में पता चलता है कि ये लोग एक प्रभावशाली व्यवसायी के लिए कार्य कर रहे हैं, जिसके राज्य के सत्ताधारी दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। विभाग में आपके वरिष्ठों ने आपको मौखिक रूप से निर्देश दिया है कि आप अभी कोई शिकायत दर्ज न करें। आपको डर है कि उक्त व्यवसायी और आपके विभाग के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों के बीच सौदा हो जाएगा तथा हिरासत में लिए गए व्यक्ति मुक्त हो जाएंगे। आप आगे बढ़कर शिकायत दर्ज करने के लिए तैयार हैं, लेकिन साथ ही अपने वरिष्ठों की अवज्ञा करने पर आपके विरुद्ध की जाने वाली विभागीय कार्रवाई से भी डरे हुए हैं।

(a) प्रदत्त प्रकरण में आपके सामने कौन-से विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक के गुण-दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(b) साथ ही, अपनी कार्रवाई और उसके लिए कारणों को भी (उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना) इंगित कीजिए।

भारत में वन्य जीवों व वन्य उत्पादों की तस्करी एक प्रमुख समस्या है जो बड़े पैमाने पर

जैव विविधता को हानि पहुँचाती है।

प्रमुख हितधारक,

- लाल चंदन के तस्करी करने वाले लोग
- पर्यावरण व जैव विविधता
- प्लेनेट
- ऑफिस के अधिकारी
- सरकार
- मैं (स्वयं)
- तस्कर व्यवसाय के लोग

उपलब्ध विकल्प

① शिकायत दर्ज न करूँ व उनको छोड़ दूँ।

गुण

① अधिकारियों की आज्ञापालन
② विभागीय कार्रवाई का डर समाप्त

दोष

① जैव विविधता का नाश
② अपराधियों के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ रिश्वत के रूप से आर्थिक लाभ की संभावना

मनोबल में वृद्धि
③ कार्यालय में भ्रष्ट कार्य संस्कृति का विकास
④ सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग
⑤ ईमानदारी, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यों का नाश

② शिकायत दर्ज करूँ व उनको हिरासत में ले लूँ।

गुण

~~① अधिकारियों की आज्ञा का उल्ल~~
① वेतन की तरक्की और रोक
② ईमानदारी व सत्यनिष्ठा का मूल्य
③ अपराधियों में भय बढ़ेगा
④ भ्रष्ट अधिकारियों को सजा मिलने की संभावना

दोष

① अधिकारियों की आज्ञा का उल्लंघन
② विभागीय कार्रवाई का डर
③ साँठ-गाँठ से अपराधियों के छूटने की संभावना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ तीसरा विकल्प व मेरी अपनी कार्रवाई

① अ. अपराधियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करूँ व उन्हें हिरासत में लूं

② वरिष्ठ अधिकारियों के लिखित में देने के लिए कहूँ

③ मीडिया में जब्त किए गए चंदन तथा अपराधियों की सूचना जिससे अपराधियों के छूटने की कम संभावना

④ दृढ़ता के साथ अपने कर्तव्य का पालन, विभागीय कार्रवाई से डरे बिना

उपर्युक्त कार्रवाई का कारण

① कानून - व्यवस्था स्थापित होगी।

② अपराधियों के भय में उत्पन्न होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ अपनी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने के कारण आत्मसंतोष की प्राप्ति होगी।

④ पर्यावरण व जैव-विविधता का संरक्षण होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the Superintendent of Police (SP) in a district. One of your subordinates informs you that a girl has reached out to him and complained about a potential death threat to her and her boyfriend who belongs to another caste. Both the families are averse to their union. She has also informed that the local police station is neither filing any complaint nor giving her any assurance of protection. The girl belongs to the dominant caste of the region and her father is a prominent local leader of the party which is in power in the state. On further enquiry, you come to know that both the girl and her boyfriend are adults. They have moved out of the house and have started living together. This has further angered both the families and they are accusing each other of abduction. In the given scenario, answer the following questions:

(a) Bring out the ethical dilemma faced by the you.

(b) What would be a suitable course of action to resolve the issue?

(c) At times, such instances lead to violence and may end up in honour killings. Discuss the reasons behind their social acceptance in parts of India despite the legal sanction against them. **(20)**

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के पद पर तैनात हैं। आपके अधीनस्थों में से एक ने आपको सूचित किया है कि एक लड़की ने उसके पास संपर्क करते हुए उसे और उसके प्रेमी, जो दूसरी जाति से संबंधित है, को जान से मारने की धमकी के बारे में शिकायत की है। दोनों परिवार उनके साथ रहने के खिलाफ हैं। उसने यह भी बताया है कि स्थानीय थाना न तो कोई शिकायत दर्ज कर रहा है और न ही उसे सुरक्षा का कोई आश्वासन दे रहा है। वह लड़की उस क्षेत्र की प्रभावशाली जाति से संबंधित है और उसके पिता सत्तारूढ़ दल के एक प्रमुख स्थानीय नेता हैं। आगे की पूछताछ में, आपको पता चला है कि लड़की और उसका प्रेमी दोनों वयस्क हैं। वे घर से बाहर चले गए हैं और साथ रहने लगे हैं। इससे दोनों परिवारों में और अधिक नाराजगी उत्पन्न हो गई है और वे एक-दूसरे पर अपहरण का आरोप लगा रहे हैं। दिये गये परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) आपके द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा को स्पष्ट कीजिए।

(b) इस समस्या के समाधान हेतु कार्रवाई का एक उपयुक्त तरीका क्या होगा?

(c) कभी-कभी, ऐसे उदाहरण हिंसा का कारण बनते हैं और ऑनर किलिंग में परिणित हो सकते हैं। इसके ख़िलाफ़ कानूनी प्रतिबंध होने के बावजूद, भारत के कुछ हिस्सों में इसकी सामाजिक स्वीकृति के पीछे उत्तरदायी कारणों पर चर्चा कीजिए।

भारत में अन्तर्जातीय विवाहों के कारण ऑनर किलिंग की समस्या देखने को मिलती है। खाप पंचायतों के निर्णयों में ऐसे अनेक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदाहरण देके जा सकते हैं।

मेरे समक्ष नैतिक दुविधा

① अन्तर लड़के व लड़की की जान बचाने की समस्या

② सत्तारूढ़ दल के नेता द्वारा दबाव बनाया जाना

③ संवेदनशीलता बनाम कर्तव्य पालन

समस्या के समाधान का तरीका

① सर्वप्रथम अगर प्रेमी युगल का पता लग सके तो उन्हें पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए।

② लड़की के पिता को पर्सुएड किया जाए और ना मानने की स्थिति में उन्हें बताया जाए के वयस्क व्यक्ति का अपनी मर्जी से

जीवन साथी चुनने का ~~अ~~ अधिकार एक मौलिक अधिकार है।

③ ~~क्योंकि~~ उनको कानूनी कार्यवाही का भय दिखाया जाए कि लड़के-लड़की के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा आपके राजनीतिक तथा सामाजिक जीवन को समाप्त कर सकती है।

④ इस कार्य में NGO, सिविल सोसाइटी, मीडिया के माध्यम से प्रशासन को जागरूक करना तथा लोगों से भी अपील करना

⑤ रोल मॉडल के माध्यम से परिवर्तन का प्रयास।

ऑनर किलिंग के पीछे सामाजिक स्वीकृति की वजह

① महिलाओं को घर की अस्मिता से जोड़कर देखना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) पितृवादी संरचनात्मक व्यवस्था जहाँ लड़की को निर्णय का अधिकार नहीं।

(3) जातिव्यवस्था पर आधारित भेदभाव

(4) अन्तर्जातीय विवाह को कलंक मानना

(5) पर्याप्त कानूनी कार्रवाई का अभाव।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)